

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	फाल्गुन 29, गुरुवार, शाके 1946- मार्च 20, 2025 Phalguna 29, Thursday, Saka 1946- March 20, 2025	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

प्रपत्र (ओ)

वन विभाग

विज्ञप्ति

जयपुर, नवम्बर 08, 2024

संख्या प.2(59)वन/24 :-चूँकि इसके साथ संलग्न अनुसूची में समाविष्ट वन भूमि तथा बंजर भूमि में अथवा उस पर सरकार के और निजी व्यक्तियों के अधिकारों के प्रकार तथा सीमा की जाँच और उनका अभिलेखन राजस्थान वन अधिनियम,(1953 का राजस्थान अधिनियम संख्या 13) की धारा 29 की उपधारा (2) के अधीन जारी की गई विज्ञप्ति के अनुसरण में किया जा चुका है।

अतः अब उपर्युक्त अधिनियम की धारा (29) की उपधारा (1) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में, राज्य सरकार एतद् द्वारा घोषित करती है कि कथित अधिनियम के अध्याय-4 के उपबन्ध, पूर्वाक्त वन भूमि और बंजर भूमि पर लागू होंगे जो कि एतदपश्चात् **रक्षित वन (Protected Forest)** कहलाया जावेगा।

राज्यपाल की आज्ञा से,

बीजो जाँय,

विशिष्ट शासन सचिव, वन।

भूमि का विवरण

जिला	तहसील	वनखण्ड का नाम	मौजा	खसरा न.	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)	विशेष विवरण
1	2	3	4	5	6	7
भरतपुर	डीग	खोह 'अ'	खोह	778	4.45	सीमा रेखा विवरण परिशिष्ट(अ) संलग्न है।
कुल योग				01	4.45	

संतोष कुमार शर्मा,
वन बन्दोबस्त अधिकारी,
जयपुर।

वन विभाग
परिशिष्ट (अ)

राजस्थान वन (बन्दोबस्त) नियम 1958 का नियम 9 (सी)

वनखण्ड : खोह 'अ' रेन्ज या विस्तार : डीग जिला : भरतपुर

इस वन खण्ड की वन सीमा का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र. सं	स्तम्भ संख्या से	स्तम्भ संख्या तक	दूरी जरीब व कड़ियों में		दिशा	आगामी स्तम्भ तक सीमा रेखा का प्रकार
			जरीब	कड़ियां		
1	1	2	03	00	पूर्व	सीधी रेखा
2	2	3	05	30	दक्षिण - पूर्व	सीधी रेखा
3	3	4	09	60	दक्षिण - पश्चिम	सीधी रेखा
4	4	5	14	80	उत्तर - पश्चिम	सीधी रेखा
5	5	6	01	00	उत्तर - पश्चिम	सीधी रेखा
6	6	7	08	00	उत्तर - पूर्व	सीधी रेखा
7	7	1	01	20	उत्तर - पूर्व	सीधी रेखा

नोट: 1. यह सर्वे कार्य 20 मीटर की जरीब से किया गया है जिसमें 100 कड़ियां होती हैं।

2. माप से अभिप्राय धरातल की सतह की माप से है।
3. दर्शाई गई माप नक्षे के अनुरूप है।

संतोष कुमार शर्मा,
वन बन्दोबस्त अधिकारी,
जयपुर ।

अधिकारों की संक्षिप्त सूची (1) वनखण्ड - खोह 'अ'

रेंज-डीग, तहसील-डीग, जिला-भरतपुर

(सुविधाएँ राज्य शासन द्वारा कभी भी वापस ली जा सकती हैं)

उन वन खण्डों की संख्या या नाम जिनके खुले भाग में ये अधिकार/सुविधाएं उपयोग में आ सकते हैं।	पट्टी का नाम	ग्राम जिसे अधिकार सुविधाएं प्राप्त है	घरों की संख्या	जन संख्या	परिवार की संख्या	हलों की संख्या	निःशुल्क चरने वाले स्वीकृत पशुओं की संख्या	मकानों के लिए लकड़ी के लठ्ठे प्रतिवर्ष नग फुटों में	
								निवास- गृह	पशुशांलाएं विविध लकड़ियां

1	2	3	3ए	3बी	3सी	3डी	4	5ए	5बी
खोह 'अ'	डीग	-	-	-	-	-	-	-	-

कृषि उपकरणों के लिए लकड़ी (प्रति वर्ष) क्युबिक फुट लट्टों में	गिरी लकड़ी का ईंधन (प्रति वर्ष) सिरभारों में	लुहारों के लिए कोयला (प्रति वर्ष) सिरभारों में	विविध अधोवन	चारे का घास	चारे का घास बिक्री के लिए	घास छप्परों के लिए	बाबर	घास के लिए हरे पत्ते	पत्ते सूखे
6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

फल और जड़ें	लताओं और बेलों की छांले	बांस (प्रति वर्ष कोडियों में)	भवन के लिए पत्थर	स्लेट	चूना पत्थर	सिंचाई जल-पथ	मीलों के लिए पानी	मछलियां पकड़ना	शमशान घाट	विवरण
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26
-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:- वनखण्ड- खोह 'अ' में ग्रामवासियों को कोई हक हकूक प्राप्त नहीं रहेंगे।

संतोष कुमार शर्मा,
वन बन्दोबस्त अधिकारी,
जयपुर ।

रियायतों की संक्षिप्त सूची (1) वनखण्ड - खोह 'अ'
रेंज-डीग, तहसील-डीग, जिला-भरतपुर
(सुविधाएँ राज्य शासन द्वारा कभी भी वापस ली जा सकती हैं)

उन वन खण्डों की संख्या या नाम जिनके खुले भाग में ये अधिकार/सुविधाएं उपयोग में आ सकते हैं।	पट्टी का नाम	ग्राम जिसे अधिकार सुविधाएं प्राप्त हैं	घरों की संख्या	जन संख्या	परिवार की संख्या	हलों की संख्या	निःशुल्क चरने वाले स्वीकृत पशुओं की संख्या	मकानों के लिए लकड़ी के लट्टे प्रतिवर्ष नग फुटों में	
								निवास-गृह	पशुशांलाएं विविध लकड़ियां
1	2	3	3ए	3बी	3सी	3डी	4	5ए	5बी
खोह 'अ'	डीग	-	-	-	-	-	-	-	-

कृषि उपकरणों के लिए लकड़ी (प्रति वर्ष) क्युबिक फुट लट्टों में	गिरी लकड़ी का ईंधन (प्रति वर्ष) सिरभारों में	लुहारों के लिए कोयला (प्रति वर्ष) सिरभारों में	विविध अधोवन	चारे का घास	चारे का घास बिक्री के लिए	घास छप्परो के लिए	बाबर	घास के लिए हरे पत्ते	पत्ते सूखे
6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

फल और जड़ें	लताओं और बेलों की छाले	बांस (प्रति वर्ष कोडियों में)	भवन के लिए पत्थर	स्लेट	चूना पत्थर	सिंचाई जल-पथ	मीलों के लिए पानी	मछलियां पकड़ना	शमशान घाट	विवरण
16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26
-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:- वनखण्ड- खोह 'अ' में ग्रामवासियों को कोई हक हकूक प्राप्त नहीं रहेंगे।

संतोष कुमार शर्मा,
वन बन्दोबस्त अधिकारी,
जयपुर।

न्यायालय वन बन्दोबस्त अधिकारी, जयपुर
पीठासीन अधिकारी - संतोष कुमार शर्मा

वाद क्रमांक- 02/2023

निर्णय दिनांक- 06.02.2024

वन विभाग बनाम ग्रामवासियान बगैरह ग्राम - खोह

तहसील - डीग, जिला - भरतपुर।

विषय : जाँच हक हकूक ग्राम-सुनवाई रक्षित वनखण्ड खोह 'अ' तहसील डीग।

निर्णय

पत्रावली न्यायालय हाजा/कोर्ट केम्प डीग में पेश हुई। वनखण्ड खोह 'अ' को राजस्थान वन अधिनियम 1953 की धारा 29 के अन्तर्गत रक्षित वन क्षेत्र के गठन बाबत एक विज्ञप्ति का प्रकाशन राजस्थान राजपत्र संख्या भाग 1 'ख' दिनांक नवम्बर 27, 2009 को प्रकाशित हुआ। नियमानुसार उक्त वनखण्ड से सम्बंधित ग्राम- खोह तहसील डीग जिला भरतपुर के आराजी हाल खसरा नम्बर 778 कुल किता 01 रकबा 04.45 हेक्टेयर भूमि को रक्षित वन क्षेत्र में सम्मिलित रखने बाबत एक उद्घोषणा दिनांक- 13.09.2023 को जारी की जाकर संबंधित पक्षकारान से अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु तीन माह का अवसर दिया गया।

वन विभाग की और से क्षेत्रीय वन अधिकारी डीग श्री राहुल फौजदार उपस्थित हुये। उन्होंने अपने बयानों में जाहिर किया है कि वन खण्ड खोह 'अ' में ग्राम- खोह का खसरा नम्बर 778 कुल किता 01 रकबा 04.45 हेक्टेयर भूमि को रक्षित वन क्षेत्र में सम्मिलित किया गया है। जिस पर वन विभाग काबिज है। इस आराजी में कोई मार्ग/आम रास्ता एवं देवस्थान नहीं है। अतः ग्रामवासियों को कोई हक-हकुक नहीं दिये जावें। पटवारी हल्का श्री जितेन्द्र सिंह उपस्थित हुये उन्होंने ग्राम- खोह से संबंधित राजस्व अभिलेख (जमाबन्दी सम्वत् 2073-76) के आधार पर बयान दर्ज कराये मुताबिक अभिलेख आराजी हाल खसरा नम्बर 778 कुल किता 01 रकबा 04.45 हेक्टेयर, किस्म गैर मुमकिन पहाड़ मण्डल वन अधिकारी भरतपुर के नाम दर्ज रिकॉर्ड है। उक्त आराजी में कोई आम रास्ता/सड़क व देवस्थान नहीं है।

वनखण्ड खोह 'अ' रेंज डीग को रक्षित वन क्षेत्र के गठन बाबत पक्षकारान् से निर्धारित समयावधि में आपत्तियाँ चाही गई थी, किन्तु किसी व्यक्ति अथवा संस्था ने किसी प्रकार की कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई है एवं ना ही दौरान सुनवाई अपना पक्ष प्रस्तुत किया है इससे विदित होता है कि उक्त रक्षित वनखण्ड में शामिल किये जाने वाले ग्राम खोह के रकबे बाबत उन्हें किसी प्रकार की कोई आपत्ति नहीं है।

अतः वनखण्ड पत्रावली, पक्षकारान् के बयानात, राजस्व अभिलेख यथा जमाबन्दी सम्वत् 2073-76 के परीक्षण करने पर मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि ग्राम खोह तहसील डीग जिला भरतपुर के आराजी खसरा नम्बर 778 कुल किता 01 रकबा 04.45 हेक्टेयर, किस्म गैर मुमकिन पहाड़ जो मण्डल वन अधिकारी भरतपुर वन विभाग राजस्थान सरकार के नाम दर्ज रिकॉर्ड है। वन विभाग अविवादित रूप से काबिज है।

अतः उक्त ग्राम के आराजी खसरा नम्बर 778 कुल किता 01 रकबा 04.45 हेक्टेयर किस्म गैर मुमकिन पहाड़ वन भूमि को राजस्थान वन अधिनियम 1953 की धारा 29 (1) के अन्तर्गत जारी विज्ञप्ति की सुनवाई पूर्ण हो जाने के फलस्वरूप राजस्थान वन अधिनियम 1953 की धारा 29 (1) के अन्तर्गत वनखण्ड खोह 'अ' रक्षित वन (Protected Forest) क्षेत्र के गठन की अनुसंशा करता हूँ।

वनखण्ड खोह 'अ' रेन्ज डीग, जिला भरतपुर में ग्रामवासियों को किसी प्रकार के (हक-हकुक) अधिकार/अनुदान/रियायतें स्वीकार नहीं की गई हैं। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो। निर्णय खुली अदालत में सुनाया गया। निर्णय प्रति संबंधित उप वन संरक्षक, भरतपुर को भिजवाई जावें।

संतोष कुमार शर्मा,
वन बन्दोबस्त अधिकारी,
जयपुर ।

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।